दूसरों को बड़ा करने में ही शिक्षित व्यक्ति का गौरवः पटेल

भोपाल(काप्र)।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि अपने ज्ञान से दूसरों को बड़ा करने में ही शिक्षित व्यक्ति का गौरव है। उसकी शिक्षा का गौरव है। उन्होंने कहा कि आज से 38 वर्ष पूर्व कम्प्यूटर ज्ञान के प्रसार के लिए 'कम्प्यूटर एक परिचय' पुस्तक की रचना कर, लेखक ने अपनी शिक्षा को गौरवान्वित किया है। संपूर्ण समाज को लाभान्वित करने का उनका प्रयास अभिनंदनीय है।

राज्यपाल आईसेक्ट पब्लिकेशन की पुस्तक 'कम्प्यूटर एक परिचय' के 40 वें संस्करण के लोकार्पण कार्यक्रम को स्थानीय कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के पूर्व निदेशक शिव कुमार अवस्थी भी मंचासीन थे। श्री पटेल ने कहा कि पुस्तक लेखन समाज सेवा का सशक्त माध्यम है। नई सोच और दृष्टि के द्वारा समाज का मार्गदर्शन करने वाले लेखकों का सम्मान समाज का दायित्व है। उन्होंने युवाओं से अपील की है कि ज्ञान के लिए केवल पाठ्य पुस्तकों पर निर्भर नहीं रहे, पुस्तकों में उपलब्ध हमारे देश, समाज और संस्कृति के ज्ञान का भी अध्ययन करे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का नया दौर शुरू हुआ है, जिसकी आजादी के समय से ही देश अपेक्षा कर रहा था। प्रधानमंत्री मोदी आगामी 13-14 जनवरी को देश के 3 हजार युवाओं के साथ संवाद करेंगे। श्री पटेल ने कार्यक्रम को देखने का अनुरोध किया है।

उन्होंने कहा है कि वैचारिक चिंतन में सहभागिता से नए विषयों और कार्यों के संबंध में जानकारी मिलती है। भविष्य के पथ का प्रदर्शन होता है। 'कम्प्यूटर एक परिचय' पुस्तक के लेखक संतोष चौबे की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन की शुभकामनाएं दी। राज्यपाल का संतोष चौबे ने शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह और आईसेक्ट पब्लिकेशन के विज्ञान लेखन की पुस्तकों और भारतीय वैज्ञानिकों के मोनोग्राफ का सेट भेंट किया। मप्र निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष भरत शरण सिंह ने भारतीय ज्ञान परम्परा में कम्प्यूटर के सिद्धांतों की उपलब्धता और कम्प्यूटर निर्माण में भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान को प्रकाशित किया। कम्प्यूटर एक परिचय पुस्तक की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पुस्तक ने भारतीय भाषाओं में डिजिटल साक्षरता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने पुस्तक की रचना के लिए लेखक को बधाई दी। श्री चौबे ने पुस्तक की रचना की पृष्ठ भूमि और विकास का विवरण देते हुए बताया कि देश में तकनीक का विकास भारतीय भाषाओं के माध्यम से ही सम्भव है। संस्था द्वारा 6 विश्वविद्यालय संचालित किए जा रहे है। स्वागत उद्बोधन स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी के चान्सलर सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने दिया। आभार प्रदर्शन रबीन्द्र नाथ टैगोर विश्वविद्याल के कुलसचिव विजय सिंह ने किया। प्रो. चान्सलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी ने किया।

सौजन्य भेंट

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने शनिवार को राजभवन में

स्वस्थ किशोरी ही, आगे चलकर बनती है स्वस्थ माँः शुक्ल

भोपाल(काप्र)। उप मुख्यमन्त्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि एमएमआर और आईएमआर की स्थिति में सुधार के लिये किशोरियों के स्वास्थ्य की जाँच और सुधार के प्रयास, गर्भावस्था के पूर्व और गर्भावस्था के दौरान महिलाओं की नियमित जाँच के साथ प्रसव पश्चात निगरानी अहम है।

उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ किशोरी आगे चलकर स्वस्थ माँ बनती है। इसके लिये विभागीय प्रयासों के साथ सामाजिक संगठनों, आमजनों का सहयोग अपेक्षित है, जिससे गर्भवती महिलायें और किशोरियाँ अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। परिवारजन उन्हें सहयोग प्रदान करें। शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने के लिये जन-जागरूकता ज़रूरी है। श्री शुक्ल ने यूनिसेफ भोपाल कार्यालय में भ्रमण कर मप्र में स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में यूनिसेफ द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने यह बात यूनिसेफ के अधिकारी-कर्मचारियों को संचालित गतिविधियों में सरकार द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान करने पर कही। एकीकृत प्रयासों से हम मिलकर प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था को सशक्त करेंगे। मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य के विभिन्न मानकों में देश का अग्रणी राज्य बनायेंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रदेश में एमएमआर और आईएमआर मानकों में सुधार के लिये सतत् प्रयास कर रही है। स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के साथ देश-विदेश के स्वास्थ्य विशेषज्ञों से हम निरंतर संपर्क में हैं। स्वास्थ्य अधोसंरचना में सतत विस्तार किया जा रहा है। चिकित्सकीय सहायक और चिकित्सकीय मैनपॉवर की उपलब्धता के लिए चिकित्सकीय शैक्षणिक संस्थानों में विस्तार किया जा रहा है। बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के साथ सामाजिक जागरूकता भी ज़रूरी है, जिससे हाई रिस्क प्रेगनेंसी का समय से चिन्हांकन कर अपेक्षित निदान की व्यवस्था की जा सके। उन्होंने प्रदेश में आईएमआर और एमएमआर में सुधार के लिये संगठित प्रयासों के सुझाव प्राप्त किये। भोपाल ऑफिस इंचार्ज यूनिसेफ डॉ. अनिल गुलाटी ने यूनिसेफ द्वारा मध्यप्रदेश में संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। हेल्थ स्पेशलिस्ट यूनिसेफ डॉ. प्रशांत कुमार सहित यूनिसेफ भोपाल के पदाधिकारी उपस्थित थे।

संस्कृत भारती मध्यभारत का प्रांत सम्मेलन प्रारंभ

भोपाल(काप्र)। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित संस्कृत भारती मध्यभारत के तीन दिवसीय प्रान्त सम्मेलन का शुभारंभ कर कार्यक्रम को संबोधित किया एवं विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन किया। हमें गौरवानुभूति होती है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में संस्कृत भाषा को लेकर जो प्रयास हुए हैं उनसे संस्कृत को लेकर एक नई जागरूकता आई है। संस्कृत साहित्य में मानवता और ज्ञान का ऐसा ही दिव्य दर्शन है जो किसी को भी आकर्षित कर सकता है। संस्कृत भारती के सह-संगठन मंत्री दत्तात्रेय वज्रल्लि, प्रांत अध्यक्ष डॉ. अशोक सिंह भदौरिया, महापौर श्रीमती मालती राय, विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. रमाकान्त पाण्डेय, प्रांत मंत्री डॉ. दिवाकर शर्मा, प्रांत संगठन मंत्री डॉ. जागेश्वर पटले प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर प्रशिक्षण का समापन

भोपाल (काप्र)। शास. डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में उन्नति स्किल फाऊंडेशन बैंगलोर द्वारा पिछले एक महीने से अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास पर प्रशिक्षण दिया जा रहा था जिसका समापन शनिवार को किया गया।

इस प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को सॉफ्ट स्किल के अंतर्गत स्पोकन इंग्लिश, कम्युनिकेशन स्किल, लीडरशिप स्किल, रिफ्यूशल स्किल, वर्क प्लेस स्किल वर्कप्लेस एथिक्स, स्ट्रेस मैनेजमेंट, मनी मैनेजमेंट आदि के बारे में प्रशिक्षित किया गया समापन कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण के साथ ही उद्योगम पोर्टल पर रोजगार हेतु पंजीयन की प्रक्रिया भी समझाई गई ज्ञात हो की यह फाउंडेशन इंफोसिस के सीएआर के लिए काम करता है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. कीर्ति जैन के उद्बोधन एवं शुभकामनाओं के साथ शुरू किया गया प्रशिक्षण के विषय वस्तु को विस्तार से कार्यक्रम की संयोजक डॉ. आशा वर्मा के द्वारा प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ आकाश ने अपने एक महीने के अनुभव को सभी के साथ साझा किया साथ ही विद्यार्थियों ने भी फीडबैक के द्वारा प्रशिक्षण के अनुभव से सभी को अवगत कराया इस समापन कार्यक्रम में डॉ. इला जैन, डॉ. नीतू प्रिया लचोरिया, डॉ. ज्योति पंथी, डॉ. सतीश कुमार, डॉ. देवेंद्र पटेल, डॉ. सरताज आदि उपस्थित रहे।

श्री हिन्दू उत्सव समिति के चुनाव को लेकर आज होगी अहम् बैठकः सुबोध जैन

भोपाल (काप्र)। श्री हिन्दू उत्सव समिति रजि भोपाल के सुबोध जैन ने जारी प्रेस विज्ञप्ति मे कहा कि समिति अध्यक्ष पद चुनाव हेतु नवीन प्रक्रिया 22 जनवरी तक शुरू करने समिति नियमावली के परिपालन मे प्रबंध कार्यकारणी/सदस्यों/आजीवन सदस्यों को चर्चा उपरांत निर्णय हेतु समिति नियम 10/ब अनुसार बैठक से 7 दिवस पूर्व रविवार समय दोपहर -2-बजे स्थान-श्री मरघटिया महावीर मंदिर भोपाल मे पत्र देकर आमंत्रित किया गया है चूंकि समिति अध्यक्ष संतोष साहू द्वारा अपने ही दो वर्ष के कार्यकाल मे समिति नियमावली के परिपालन मे आज दिनांक तक समिति की साधारण सभा/ आमसभा आयोजित कर लेखा जोखा एवं समिति संचालन से संबंधित गतिविधियों की जानकारी आजीवन सदस्यों को नहीं दी है अगर समिति अध्यक्ष कि नीति और नियत साफ होती तो आजीवन सदस्यों की बैठक अपने बाकी बचे शेष कार्यकाल मे ही समिति अध्यक्ष पद चुनाव की घोषणा कर देते लेकिन समिति अध्यक्ष तो बैठक का ही विरोध कर रहें इसलिए यह बैठक महत्वपूर्ण है।

निगम ने रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन क्षेत्र हटाए अतिक्रमण

भोपाल (काप्र)। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि पर किए गए अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन क्षेत्र से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही की और ठेले, टेबिल आदि जप्त की। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देशों के परिपालन में नगर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 05 की ओर बाहर जाने वाले गेट के आसपास आवागमन को बाधित करने वाले अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही की।

निगम अमले ने सड़कों, फुटपाथों आदि पर ठेले, टेबिल पर सामान रखकर व्यवसाय करने वालों के अतिक्रमणों को हटाते हुए 07 छत ठेले एवं टेबिल आदि जप्त करने की कार्यवाही की और आवागमन को सुगम बनाया। निगम अमले ने अतिक्रमण करने वालों को चेतावनी भी दी कि यदि पुनः अतिक्रमण पाया जाता है तो कठोर कार्यवाही की जाएगी।

सौरभ शर्मा मामले में सीबीआई जांच की मांग को लेकर कांग्रेस अजा विभाग करेगा मंत्री के बंगले का घेराव

भोपाल (काप्र)। प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग द्वारा रविवार, 05 जनवरी 2025 को दोपहर 2.30 बजे पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा मामले की सीबीआई जांच और परिवहन विभाग के तत्कालीन मंत्री एवं वर्तमान खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को मंत्री पद से बर्खास्त करने की मांग को लेकर गोविंद सिंह राजपूत के बंगले का घेराव किया जायेगा।

मप्र कांग्रेस अजा विभाग के अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने बताया कि उक्त घेराव कार्यक्रम दोपहर 2.30 बजे प्रारंभ होगा। घेराव कार्यक्रम में कांग्रेस अजा विभाग के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, कांग्रेसजन शामिल रहेंगे। उक्त घेराव कार्यक्रम राजधानी भोपाल के न्यू मार्केट स्थित इंडियन काफी हाउस से प्रारंभ होगा। कांग्रेसजन यहां से पैदल कूच करते हुये मंत्री गोविंद राजपूत के निवास पर जायेंगे जहां उनके मंत्री पद से इस्तीफे की मांग और सौरभ शर्मा मामले में सीबीआई जांच की मांग करेंगे।

प्रदेश में 3000 बसों के थमे पहिए

भोपाल। मप्र हाईकोर्ट के आदेश से जनवरी 2025 से अस्थाई परमिट जारी नहीं किए जा रहे हैं। जिसके कारण प्रदेश की 3000 से अधिक बसों के पहिए थम गए हैं। परिवहन मंत्रालय के नियमों के अनुसार प्रदेश के सभी संभाग में रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी का होना अनिवार्य है। स्थाई परमिट जारी करने का अधिकार रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी को होता है। प्रदेश में इस समय एक भी रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी नहीं होने से स्थाई परमिट जारी नहीं हो पा रहे हैं। पिछले साल अंतिम आरटीए अरुण कुमार सिंह के सेवानिवृत्ति के बाद, एक भी आरटीए नहीं है। जिसके कारण नियमानुसार एक भी स्थाई परमिट जारी नहीं हो सकता है। परिवहन विभाग इन दिनों अपने भ्रष्टाचार और एंट्री को लेकर चर्चित है। रोजाना मीडिया में समाचार छप रहे हैं। मप्र हाईकोर्ट ने परिवहन विभाग के अस्थाई परमिट व्यवस्था को सबसे बड़ा भ्रष्टाचार का कारण बताया था। हाई कोर्ट के आदेश से अब अस्थाई परमिट जारी नहीं हो रहे हैं। सरकार ने हाईकोर्ट आदेश के बाद से,अभी तक स्थाई परमिट किस तरीके से जारी हों, इसके लिए कोई व्यवस्था नहीं की। परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार का यह सबसे बड़ा उदाहरण है। प्रदेश में एक भी रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी नहीं है। परिवहन विभाग को बस ऑपरेटर से स्थाई परमिट के लिए आवेदन मंगाने थे। परिवहन विभाग हाथ पर हाथ रखकर बैठा है। अब अस्थाई परमिट भी जारी नहीं हो रहे हैं। जिसके कारण मध्य प्रदेश में बसों का अवैध संचालन शुरू हो गया है। परिवहन विभाग के अधिकारी इसमें भी जमकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं। सरकार के खजाने को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। मप्र में स्थाई परमिट में रोक लगने के बाद स्कूल कॉलेज की बसें जो अभी अस्थाई परमिट से चल रही थी। वह भी बंद हो जाएगी। अभी प्रदेश में स्कूल कॉलेज की जो बसें सड़कों पर दौड़ रही हैं। वह पूर्णता अवैध रूप से चल रही हैं। इसके बाद भी परिवहन विभाग की चुप्पी से सभी को हैरानी हो रही है।

स्पेशल खबर *बच्चे पहले बुज़ुर्गों के पास जाते थे क्योंकि वे ज्ञान देते थे....*

अब बच्चे बुज़ुर्गों के पास नहीं जाते क्योंकि वे ज्ञान देते हैंः सलीम आरिफ

भोपाल (काप्र)।

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग के तत्त्वावधान में वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा पर आधारित तीन दिवसीय 4-6 जनवरी तक जश्ने उर्दू गौहर महल में प्रारंभ हुआ।

आयोजन की शुरुआत करते हुए उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ नुसरत मेहदी ने कहा कि हर वर्ष के समान इस वर्ष भी उर्दू अकादमी द्वारा एक उद्देश्यपूर्ण आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई है। यह आयोजन उर्दू अकादमी के लिए एक मार्गदर्शक सिद्ध होगा, जिससे अकादमी न केवल उर्दू भाषा और साहित्य को बढ़ावा दे सकेगी, बल्कि इसे सांस्कृतिक एकता और वैश्विक भाईचारे के संदेश का और अधिक सशक्त माध्यम भी बना सकेगी। यह हमारा वसुधैव कुटुंबकम के दर्शन को उर्दू के माध्यम से वैश्विक स्तर पर फैलाने का एक सशक्त आधार तैयार करने का प्रयास है।

प्रथम सत्र में दोपहर 2:30 बजे उर्दू गान एवं वसुधैव कुटुंबकम गीत उमेश तरकसवार और उनके समूह द्वारा प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।तत्पश्चात दूसरे सत्र में साहित्यिक अंत्याक्षरी आयोजित हुई जिसमें विद्यालयीन और महाविद्यालयीन विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें क्रमशः टीम शैरी भोपाली प्रथम, टीम हसरत मोहानी द्वितीय एवं टीम जगन्नाथ आज़ाद तृतीय रहे। विजेताओं को आयोजन के समापन अवसर पर पुरस्कार और प्रमाण पत्रों से सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता के निर्णायक भोपाल के वरिष्ठ शायर फ़ारूक़ अंजुम और वरिष्ठ शायरा ख़ालिदा सिद्दीक़ थे। फ़िल्म, थिएटर, टेलीविजन और उर्दू का सामंजस्य और वसुधैव कुटुंबकम विषय पर संवाद हुआ जिसमें सिने जगत थिएटर और टेलीविजन से जुड़ी मशहूर हस्तियों, राजीव वर्मा, शाहबाज़ खान,मुंबई, सलीम आरिफ़ मुंबई और लुबना सलीम से प्रख्यात शायर व उद्घोषक अज़हर इक़बाल ने बातचीत की।

इसके अंतर्गत प्रसिद्ध अभिनेता राजीव वर्मा ने कहा कि उर्दू भाषा वसुधैव कुटुंबकम जैसे भारतीय दर्शन को विश्व मे आम करने हेतु एक आदर्श माध्यम है। अभिनेता शाहबाज़ ख़ान ने कहा कि फिल्म, थिएटर और डिजिटल मीडिया के माध्यम से उर्दू और इसके मानवतावादी संदेश

को अधिक से अधिक प्रचारित किया जा सकता है। इस हेतु फिल्में बनती रही हैं अब इसकी और अधिक आवश्यकता है। सलीम आरिफ़ ने कहा कि विशेष रूप से हमारी चिंताओं में युवा पीढ़ी शामिल होनी चाहिए। आज ऐसी फिल्मों के निर्माण की ज़रूरत है जो युवा पीढ़ी को वैश्विक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों के संतुलन को समझा सके। उन्होंने इस मौक़े पर ये भी कहा कि बच्चे पहले बुज़ुर्गों के पास जाते थे क्योंकि वे ज्ञान देते थे अब बच्चे इसलिए बुज़ुर्गों के पास नहीं जाते क्योंकि वे ज्ञान देते हैं। उसके बाद इक़बाल मसूद द्वारा पूरे तीन दिन चलने वाले इस आयोजन की रूपरेखा, स्वरूप और इसके विषय के बारे में वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। आज दस, पंद्रह हज़ार साल बाद हमारे सनातन विचार, बुद्धिमत्ता जीवित है और इस सदियों पुराने विचार का निचोड़ एक वाक्य में सिमट आया है वसुधैव कुटुम्बकम ये एक रौशन लकीर की तरह पूरी दुनिया को राह दिखा रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम के वाक्य का अनुवाद न तो वैश्विक से हो सकता है और ना ही आलमियत का हक़ अदा कर सकता है और न ग्लोबल विलेज इसका प्रतिनिधि है कि वो परिवार के प्रेम, भाईचारे से वंचित है, वास्तव में ये शक्ति, शांति, प्रीत की ताक़त है जो हम आज भी अपने सनातन विचार एवं सभ्यता के साथ ज़िन्दा हैं, सर उठाकर भारत के अभिमान एवं ज्ञान से सरशार हैं। उर्दू प्रीत एवं ज्ञान का निशान है जो संस्कृत का अंतिम आधुनिक रूप है जिसमें संस्कृत की सुन्दरता, हिन्दी की मासूमियत है जो भारत की मिट्टी की तरह उपयुक्त है।